दानी के दरबार में | By Rakesh Bawaliya

दानी के दरबार में महादानी के दरबार में
आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

हे दानी में हार के आया मुझको आज जिताना होगा
नाम तेरा सुनकर आया हूँ मुझको गले लगाना होगा
आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

तेरे दर पे हार गया तो और कहाँ मैं जाऊँगा
जिनका भरोसा तुझपे उनसे कैसे आँख मिलाऊँगा
आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

चमत्कार दिखलाना होगा मेरा काम बनाना होगा
दिव्य तेजस्वी मोरछड़ी का झाड़ा आज लगाना होगा
आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

तेरा दर ही आखिरी दर है इस विश्वास से आया हूँ
भक्तों के संग अम्बरीष कहता लाख उम्मीदे लाया हूँ
आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-rakesh-bawaliya/